भारत-यूएई व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता

प्रिलिम्स के लिये:

व्यापार समझौतों के प्रकार, भारत-यूएई सीईपीए, व्यापार समझौतों के विभिन्न रूप।

मेन्स के लिये:

भारत और उसके पड़ोसी, द्विपक्षीय समूह और समझौते, भारत-यूएई संबंध।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत और संयुक्त अरब अमीरात (**UAE**) के बीच व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (CEPA) को अंतिम रूप दिया गया।

- भारत-यूएई CEPA पर भारत-यूएई वर्चुअल शिखर सम्मेलन के दौरान 18 फरवरी, 2022 को हस्ताक्षर किये गए थे, यह समझौता 1 मई, 2022 से लागू होने की उम्मीद है।
- CEPA दोनों देशों के बीच व्यापार को प्रोत्साहित करने हेतु एक संस्थागत तंत्र प्रदान करता है।

भारत-यूएई CEPA की मुख्य विशेषताएँ

- यह एक व्यापक समझौता है, जिसमें निम्नलिखित शामिल होंगे:
  - ट्रेड-इन गुड्स।
  - उत्पत्ति के नियम।
  - ट्रेड-इन सर्विसेज़।
  - व्यापार के लिये तकनीकी बाधाएँ (TBT)।
  - स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी (एसपीएस) उपाय।
  - विवाद निपटान।
  - व्यक्तियों की आवाजाही।
  - दूरसंचार।
  - सीमा शुल्क प्रक्रिया।
  - दवा उत्पाद।
  - सरकारी खरीद।
  - **बौद्धिक संपदा अधिकार**, निवेश, डिजिटल व्यापार और अन्य क्षेत्रों में सहयोग।

भारत-यूएई CEPA के लाभ:

- **ट्रेड-इन गुड्स: भारत को संयुक्त अरब अमीरात द्वारा प्रदान की जाने वाले विशेष रूप से सभी श्रम प्रधान क्षेत्रों के लिये बाज़ार पहुँच से लाभ होगा।**
  - जैसे- रत्न और आभूषण, कपड़ा, चमड़ा, जूते, खेल के सामान, प्लास्टिक, फर्नीचर, कृषि तथा लकड़ी के उत्पाद, इंजीनियरिंग उत्पाद, चिकित्सा उपकरण एवं ऑटोमोबाइल।
- **ट्रेड-इन सर्विसेज़: भारत और संयुक्त अरब अमीरात दोनों ने व्यापक सेवा क्षेत्रों में एक-दूसरे को बाज़ार पहुँच की पेशकश की है।**
  - जैसे- व्यावसायिक सेवाएँ, संचार सेवाएँ, निर्माण और संबंधित इंजीनियरिंग सेवाएँ, वितरण सेवाएँ, शैक्षिक सेवाएँ', पर्यावरण सेवाएँ, वित्तीय सेवाएँ, स्वास्थ्य संबंधी और सामाजिक सेवाएँ, पर्यटन एवं यात्रा -संबंधित सेवाएँ, 'मनोरंजक सांस्कृतिक व खेल सेवाएँ' तथा 'परिवहन सेवाएँ'।

- **फार्मास्यूटकिल्स संबंधी वशिषि्ट अनुबंध:** दोनों पक्षों ने नर्दिष्टि मानदंडों को पूरा करने वाले उत्पादों के लयि 90 दनिों में भारतीय फार्मास्यूटकिल्स उत्पादों, स्वचालति पंजीकरण एवं वपिणन प्राधकिरण तक पहुँच की सुवधिा के लयि फार्मास्यूटकिल्स को लेकर एक अलग अनुबंध पर भी सहमतविय्क्त की है।

भारत-यूएई CEPA की पृष्ठभूम

- **परचिय:** भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच उत्कृष्ट द्वपिक्षीय संबंध मौजूद हैं, जो काफी हद तक ऐतहिासकि हैं और जनिमें घनष्ठि सांस्कृतकि एवं सभ्यतागत समानताएँ मौजूद हैं। दोनों देशों के संबंधों को लगातार उच्च स्तरीय राजनीतकि वार्ता और लोगों से लोगों के बीच जीवंत संबंधों द्वारा पोषति कयिा जाता है।
  - भारत-यूएई व्यापक रणनीतकि साझेदारी वर्ष 2015 में भारत के प्रधानमंत्री की संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा के दौरान शुरू की गई थी।
- **व्यापार की स्थति:** भारत और संयुक्त अरब अमीरात एक-दूसरे के प्रमुख व्यापारकि भागीदार रहे हैं।
  - **व्यापार:** 1970 के दशक में प्रतविर्ष 180 मलियिन अमेरकिी डॉलर से भारत-यूएई द्वपिक्षीय व्यापार वत्ति वर्ष 2019-20 में लगातार बढ़कर 60 बलियिन अमेरकिी डॉलर पर पहुँच गया, जसिसे संयुक्त अरब अमीरात, भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारकि भागीदार बन गया है।
  - **नर्यात:** यूएई भारत का दूसरा सबसे बड़ा नर्यात गंतव्य भी है।
  - **नविेश:** संयुक्त अरब अमीरात 18 अरब अमेरकिी डॉलर के अनुमानति नविेश के साथ भारत में आठवाँ सबसे बड़ा नविेशक भी है।
    - इसके अलावा भारत और संयुक्त अरब अमीरात ने हाल ही में एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर कयि हैं, जसिके तहत यूएई ने भारत में बुनयिादी अवसंरचना के वकिास के लयि 75 बलियिन अमेरकिी डॉलर की प्रतबिद्धता जताई है।
- **यूएई का आर्थकि महत्त्व:** यूएई भारत की ऊर्जा आपूर्ति का एक महत्त्वपूर्ण स्रोत है और रणनीतकि पेट्रोलयिम भंडार, अपस्ट्रीम एवं डाउनस्ट्रीम पेट्रोलयिम क्षेत्रों के वकिास में भारत का एक प्रमुख भागीदार है।
- **महत्त्व:** भारत-यूएई CEPA दोनों देशों के बीच पहले से ही गहरे, घनष्ठि एवं रणनीतकि संबंधों को और मज़बूत करेगा तथा रोज़गार के नए अवसर पैदा करेगा, जीवन स्तर बढ़ाएगा व दोनों देशों के लोगों के सामान्य कल्याण में सुधार करेगा।

CEPA के बारे में:

- यह एक प्रकार का मुक्त व्यापार समझौता है जसिमें सेवाओं एवं नविेश के संबंध में व्यापार और आर्थकि साझेदारी के अन्य क्षेत्रों पर बातचीत करना शामलि है।
- यह व्यापार सुवधिा और सीमा शुल्क सहयोग, प्रतस्पिर्द्धा तथा बौद्धकि संपदा अधकिारों जैसे क्षेत्रों पर बातचीत कयि जाने पर भी वचिार कर सकता है।
- साझेदारी या सहयोग समझौते मुक्त व्यापार समझौतों की तुलना में अधकि व्यापक हैं।
- CEPA व्यापार के नयिामक पहलू को भी देखता है और नयिामक मुद्दों को कवर करने वाले एक समझौते को शामलि करता है।
- भारत ने दक्षणि कोरयिा और जापान के साथ CEPA पर हस्ताक्षर कयि हैं।

अन्य प्रकार के व्यापारकि समझौते:

- **मुक्त व्यापार समझौता (FTA):**
  - यह एक ऐसा समझौता है जसि दो या दो से अधकि देशों द्वारा भागीदार देश को तरजीही व्यापार समझौतों, टैरफि रयियायत या सीमा शुल्क में छूट आदप्रिदान करने के उद्देश्य से कयिा जाता है।
  - भारत ने कई देशों के साथ FTA पर बातचीत की है जैसे- श्रीलंका और वभिन्नि व्यापारकि ब्लॉकों से आसयिान के मुद्दे पर।
    - क्षेत्रीय व्यापक आर्थकि भागीदारी (Regional Comprehensive Economic Partnership- RCEP) आसयिान के दस सदस्य देशों और छह देशों (ऑस्ट्रेलयिा, चीन, जापान, दक्षणि कोरयिा, भारत और न्यूज़ीलैंड) के बीच एक मुक्त व्यापार समझौता (FTA) है, जसिके साथ आसयिान के मौजूदा FTAs भी शामलि हैं।
- **अधमिान्य या तरजीही व्यापार समझौता (PTA):**
  - इस प्रकार के समझौते में दो या दो से अधकि भागीदार कुछ उत्पादों के संबंध में प्रवेश का अधमिान्य या तरजीही अधकिार देते हैं। यह टैरफि लाइन्स की एक सहमत संख्या पर शुल्क को कम करके कयिा जाता है।
  - यहाँ तक कि PTA में भी कुछ उत्पादों के लयि शुल्क को घटाकर शून्य कयिा जा सकता है। भारत ने अफगानस्तिान के साथ एक PTA पर हस्ताक्षर कयि हैं।
- **व्यापक आर्थकि सहयोग समझौता (CECA):**
  - व्यापक आर्थकि सहयोग समझौता (CECA) आमतौर पर केवल व्यापार शुल्क और टैरफि-रेट कोटा (TRQ) दरों को बातचीत के माध्यम से तय करता है। यह CECA जतिना व्यापक नहीं है। भारत ने मलेशयिा के साथ CECA पर हस्ताक्षर कयि हैं।
- **द्वपिक्षीय नविेश संधयिाँ (BIT):**
  - यह एक द्वपिक्षीय समझौता है जसिमें दो देश एक संयुक्त बैठक करते हैं तथा दोनों देशों के नागरकिों और फर्मों/कंपनयिों द्वारा नजिी नविेश के लयि नयिमों एवं शर्तों को तय कयिा जाता है।
- **व्यापार और नविेश फ्रेमवर्क समझौता (TIFA):**
  - यह दो या दो से अधकि देशों के बीच एक व्यापार समझौता है जो व्यापार के वसि्तार और देशों के बीच मौजूदा ववािदों को हल करने के लयि एक रूपरेखा तय करता है।

विगत वर्षों के प्रश्न

प्रश्न: निम्नलिखित देशों पर विचार कीजिये: (2018)

1. ऑस्ट्रेलिया
2. कनाडा
3. चीन
4. भारत
5. जापान
6. अमेरिका

उपर्युक्त में से कौन-से देश आसियान के 'मुक्त-व्यापार समझौते' में भागीदार हैं?

(a) 1, 2, 4 और 5
(b) 3, 4, 5 और 6
(c) 1, 3, 4 और 5
(d) 2, 3, 4 और 6

उत्तर: (c)

प्रश्न: 'क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी' शब्द अक्सर समाचारों में देखा जाता है इसे देशों के एक समूह के मामलों के रूप में जाना जाता है: (2016)

(a) जी 20
(b) आसियान
(c) SCO
(d) सार्क

उत्तर: (b)

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-uae-cepa